"सत्य मेव जयते"

झलक गोयल
कक्षा–XII

'सत्यमेव जयते' यानि सत्य की जीत सदैव होती है, सच की डगर आसान नहीं, लेकिन सत्य की जीत निश्चित है। कुछ समय के लिये सत्य दब सकता है, लेकिन पराजित कतई नहीं हो सकता है। सूर्य को देखो, बादल आने पर छुप जाता है, लेकिन बादल छटते ही पूरी शक्ति के साथ प्रकाशमान होता है, असत्य की दशा ठीक इसके विपरीत होती है, इसलिये सदा सत्य का सहारा लो, विजय निश्चित है।

जो सत्य का पालन करता है, वो भवसागर से तर जाता है। **(ऋग्वेद)**

प्राणत्याग की परिस्थिति में भी जो सत्य बोलता है, वो संकट की स्थिति से पार हो जाता है। **(अज्ञात)**

धर्मज्ञ लोग सत्य को ही परम धर्म कहते **(बाल्मीकि)**

सत्य एक विशाल वृक्ष की तरह है, आप जितना उसका पोषण करेंगे, वह उतने ही फल देगा। **(महात्मा गाँधी)**

सत्य परेशान तो कर सकता है, लेकिन पराजित नहीं। **(अज्ञात)**

मनुष्य क्रोध को प्रेम से, पाप को सदाचार से, लोभ को दान से और झूठ को सत्य से जीत सकता है। **(गौतम बुद्ध)**

अहिंसा सत्य का प्राण है, उसके बिना मनुष्य पशु है। **(महात्मा गाँधी)**

जिस सत्य की हम खोज कर रहे हैं, वह चार वस्तुओं से बना है – प्रेम, ज्ञान, शक्ति और सौन्दर्य। **(अज्ञात)**

यश, कीर्ति और लक्ष्मी, सत्य बोलने वाले व्यक्ति की पूजा करते हैं। **(अज्ञात)**

जिसमें सत्य को सत्य एवं असत्य को असत्य कहने का साहस होता है, वही गुरू या मंत्री बनने के काबिल होता है। **(चाणक्य)**

समय मूल्यवान है, पर सत्य समय की अपेक्षा अधिक मूल्यवान है। **(अज्ञात)**